Syllabi

Four Year Undergraduate Programme (FYUGP)

Gauhati University

Effective from Academic Year 2023-24

GAUHATI UNIVERSITY
Guwahati-781014

DEPARTMENT OF HINDI, GAUHATI UNIVERSITY

NEP-2020 FYUGP SYLLABUS

हिन्दी विभाग, गौहाटी विश्वविद्यालय

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम का पाठ्यक्रम

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : प्रथम

कोर्स-कोड : HIN-CORE-1

कोर्स का नाम : हिन्दी सम्प्रेषण

कोर्स-लेवल : 100-199

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	**सम्प्रेषण** – अवधारणा, प्रकार, उपयोगिता, महत्व; भाषा एवं सम्प्रेषण; हिन्दी ध्वनियों की औच्चारणिक विशेषताएँ	15	25 (22+3)
2	1	**मौखिक सम्प्रेषण** – अभिवादन; अपना परिचय-प्रदान; दूसरे की परिचय-प्राप्ति; आत्मीय-जनों एवं मित्र-मंडली के साथ वार्तालाप; अपरिचित-जनों के साथ बातचीत; सामग्रियों के क्रय-विक्रय, यातायात-परिवहन, कार्यालय, बैंक-डाकघर आदि में सम्बद्ध जनों से विचार-विनिमय/वार्तालाप; साक्षात्कार का सामना कैसे करें– जैसे मौखिक सम्प्रेषण के विविध प्रसंग	15	25 (21+4)
3	1	**लिखित सम्प्रेषण** – अनौपचारिक/ पारिवारिक पत्र-लेखन, आवेदन-पत्र-लेखन, संपादक के नाम पर पत्र-लेखन, निबन्ध-लेखन, अनुच्छेद-लेखन, संवाद-लेखन	15	25 (22+3)
4	1	**(क) पठन-श्रवण** (केवल आंतरिक परीक्षण के लिए) – **मातृभूमि** (मैथिलीशरण गुप्त), **पुष्प की अभिलाषा** (माखनलाल चतुर्वेदी), **झाँसी की रानी** (सुभद्रा कुमारी	15	25 (15+10)

		चौहान), **जनतंत्र का जन्म** (रामधारी सिंह दिनकर), **दो बैलों की कथा** (कहानी), **अशोक के फूल** (निबन्ध) **(ख)** मुहावरे, लोकोक्तियाँ, पल्लवन, संक्षेपण, अपठित गद्यांश और प्रश्नोत्तर		

<u>द्रष्टव्य</u> : *आंतरिक परीक्षण के अंतर्गत इकाई **4 (क)** से **10** अंक के लिए मौखिकी रहेगी जिसके तहत निर्धारित लिखित सामग्री के पठन, बातचीत, समूह-चर्चा की व्यवस्था होगी। शेष **10** अंक के लिए सत्रीय परीक्षा, गृहकार्य आदि की व्यवस्था रहेगी।*

<u>निर्धारित एवं सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *राष्ट्रवाणी* – प्रो॰ वासुदेव सिंह (सम्पा॰), संजय बुक सेंटर, वाराणसी।

2. *कृति कथाएँ* – डॉ॰ शुकदेव सिंह (सम्पा॰), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

3. *अशोक के फूल* – आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

4. *आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना* – डॉ॰ वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।

5. *मानक व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण तथा रचना* – श्यामजी गोकुल वर्मा, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।

6. *सम्प्रेषण कला* – अरुण चतुर्वेदी, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

7. *हिन्दी भाषा सम्प्रेषण और संचार* – अनिरुद्ध कुमार सुधांशु एवं महांथी प्रसाद यादव, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली।

8. *सम्प्रेषण कला* – डॉ॰ बलबीर कुंदरा एवं महेन्द्र प्रताप सिंह, हंस प्रकाशन, नई दिल्ली।

9. *सम्प्रेषण : चिन्तन और दक्षता* – डॉ॰ मंजु मुकुल, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली।

- **पूर्व-योग्यता :** हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण
- **स्नातक-गुण :**

  <u>कोर्स का लक्ष्य</u> : *शुद्ध उच्चारण, विविध संदर्भों में हिन्दी भाषा के जरिए बातचीत, भिन्न-भिन्न प्रसंगों में हिन्दी के माध्यम से लिखित अभिव्यक्ति के शिक्षण-प्रशिक्षण द्वारा विद्यार्थियों की हिन्दी-सम्प्रेषण-क्षमता में वृद्धि लाना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*

  <u>शिक्षण-उपलब्धि</u> : *हिन्दी सम्प्रेषण-सम्बन्धी इस प्रारम्भिक एवं आधारभूत पाठ्यक्रम को इस रूप में प्रस्तुत किया गया है कि हिन्दी भाषा की अखिल भारतीय आवश्यकता के परिप्रेक्ष्य में सम्बद्ध विद्यार्थियों में इतनी योग्यता विकसित हो कि वे सभी अनौपचारिक एवं औपचारिक संदर्भों में हिन्दी के जरिए भाव-विचारों का समुचित प्रेषण-सम्प्रेषण (मौखिक एवं लिखित) कर सकें।*

- **सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4**
- **व्यावहारिक क्रेडिट : 0**
- **आवश्यक कक्षाओं की संख्या : 60**

प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0

- **पाठ्यक्रम-डिजाइनर का विवरण :**

नाम : डॉ॰ रीतामणि वैश्य

संस्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय

ईमेल : ***rita1@gauhati.ac.in***

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : द्वितीय

कोर्स-कोड : HIN-CORE-2

कोर्स का नाम : हिन्दी व्याकरण

कोर्स-लेवल : 100-199

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	**हिन्दी शब्द-रचना** – संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय, लिंग, वचन	**15**	**25 (20+5)**
2	**1**	**हिन्दी रूप-रचना** – हिन्दी के पद-विभाग, कारकीय रूप-रचना, क्रिया-रूप-रचना	**15**	**25 (20+5)**
3	**1**	**हिन्दी वाक्य-रचना –** अर्थ एवं बनावट की दृष्टि से विविध प्रकार के वाक्यों की रचना, पदक्रम एवं अन्वय, वाक्य-परिवर्तन, वाक्य-शुद्धि	**15**	**25 (20+5)**
4	**1**	**हिन्दी की आर्थी संरचना –** एकार्थक शब्द, अनेकार्थक शब्द, विपरीतार्थक शब्द, पर्यायवाची शब्द, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	**15**	**25 (20+5)**

<u>द्रष्टव्य</u> : *आंतरिक परीक्षण के अंतर्गत **10** अंक के लिए मौखिकी रहेगी जिसके तहत आशु-भाषण एवं प्रश्नोत्तर की व्यवस्था होगी। शेष **10** अंक के लिए सत्रीय परीक्षा, गृहकार्य आदि की व्यवस्था रहेगी।*

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *हिन्दी व्याकरण* – पं॰ कामताप्रसाद गुरु, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

2. *आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना* – डॉ॰ वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।

3. *व्याकरण प्रदीप* – रामदेव एम.ए., राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली।

4. *मानक हिन्दी का पारंपरिक व्याकरण* – शुकदेव शास्त्री, साहित्यागार, जयपुर।

5. *हिन्दी व्याकरण विमर्श* – तेजपाल चौधरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

6. *नवशती हिन्दी व्याकरण* – बद्रीनाथ कपूर, राजकमल प्रकाशन समूह, नई दिल्ली।

- **पूर्व-योग्यता :** हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण
- **स्नातक-गुण :**

  <u>कोर्स का लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा की शब्द-रचना, रूप-रचना, वाक्य-रचना और आर्थी-संरचना- जैसी बातों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना इस प्रश्न-पत्र का मूल उद्देश्य है, ताकि वे शुद्ध और प्रभावी ढंग से हिन्दी भाषा का उपयोग कर सकें।*

  <u>शिक्षण-उपलब्धि</u> : *हिन्दी व्याकरण-सम्बन्धी इस प्रारम्भिक एवं आधारभूत पाठ्यक्रम को इस रूप में प्रस्तुत किया गया है कि सम्बद्ध विद्यार्थियों में हिन्दी के व्यावहारिक उपयोग के संदर्भ में उच्चारण, शब्द-प्रयोग, वाक्य-संरचना और अर्थाभिव्यक्ति की शुद्धता का सम्पूर्ण बोध विकसित हो सके।*

- **सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4**
- **व्यावहारिक क्रेडिट : 0**
- **आवश्यक कक्षाओं की संख्या : 60**
  प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60
  अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0
- **पाठ्यक्रम-डिजाइनर का विवरण :**

नाम : पूजा शर्मा
संस्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय
ईमेल : ***poojasarmahindi@gauhati.ac.in***

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : तृतीय

कोर्स-कोड : HIN-CORE-3/HIN-MAJOR-1

कोर्स का नाम : भाषाविज्ञान, हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि

कोर्स-लेवल : 200-299

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	**भाषा :** परिभाषा, विशेषताएँ, भाषा-परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली **भाषाविज्ञान :** परिभाषा, अंग, साहित्य और व्याकरण के साथ भाषाविज्ञान का सम्बन्ध	15	25 (20+5)
2	1	**ध्वनि विज्ञान :** ध्वनि की परिभाषा, स्वरों का वर्गीकरण, स्थान और प्रयत्न के आधार पर व्यंजन ध्वनियों का वर्गीकरण, ध्वनि-परिवर्तन के कारण **रूप विज्ञान :** शब्द और रूप/पद, अर्थतत्व और सम्बन्धतत्व, सम्बन्धतत्वों के प्रकार और कार्य, रूप-परिवर्तन के कारण	15	25 (20+5)
3	1	**वाक्य विज्ञान :** वाक्य की परिभाषा, वाक्य-रचना में ध्यान देने योग्य बातें, वाक्य के प्रकार, वाक्य-परिवर्तन के कारण **अर्थ विज्ञान :** शब्द और अर्थ का सम्बन्ध, अर्थ-परिवर्तन के कारण और दिशाएँ	15	25 (20+5)
4	1	**हिन्दी भाषा** का उद्भव-विकास; हिन्दी की विभाषाएँ एवं बोलियाँ; अवधी, ब्रज तथा खड़ीबोली का सामान्य परिचय	15	25 (20+5)

		देवनागरी लिपि : नामकरण, विशेषताएँ एवं सुधार के प्रयास		

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *भाषाविज्ञान* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।

2. *भाषाविज्ञान की भूमिका* – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, अनुपम प्रकाशन, पटना।

3. *सामान्य भाषाविज्ञान* – डॉ॰ बाबूराम सक्सेना, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग।

4. *भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र* – डॉ॰ कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

5. *भाषा का समाजशास्त्र* – डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद सिंह, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

6. *आधुनिक हिन्दी व्याकरण एवं रचना* – डॉ॰ वासुदेवनन्दन प्रसाद, भारती भवन, पटना।

7. *हिन्दी भाषा* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताबमहल, इलाहाबाद।

8. *हिन्दी भाषा का इतिहास* – डॉ॰ धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।

9. *हिन्दी भाषा का विकास* – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा और रामदेव त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

10. *हिन्दी भाषा और नागरी लिपि* – लक्ष्मीकान्त वर्मा, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।

- **पूर्व-योग्यता :** हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण
- **स्नातक-गुण :**
  कोर्स का लक्ष्य : *विद्यार्थियों को भाषाविज्ञान की मूलभूत बातों के साथ हिन्दी भाषा के उद्भव-विकास तथा देवनागरी लिपि के बारे में सम्यक् जानकारी देना प्रस्तुत प्रश्न-पत्र का प्रमुख लक्ष्य है।*
  शिक्षण-उपलब्धि : *भाषाविज्ञान, हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि-सम्बन्धी इस प्रारम्भिक एवं आधारभूत पाठ्यक्रम को इस रूप में प्रस्तुत किया गया है कि सम्बद्ध विद्यार्थी भाषाविज्ञान-सम्बन्धी बुनियादी जानकारियों तथा हिन्दी भाषा एवं देवनागरी लिपि-सम्बन्धी बातों से अवगत होकर हिन्दी भाषा-साहित्य के गहन अध्ययन हेतु योग्यता प्राप्त कर सके।*
- **सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4**
- **व्यावहारिक क्रेडिट : 0**
- **आवश्यक कक्षाओं की संख्या : 60**
  प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60
  अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0
- **पाठ्यक्रम-डिजाइनर का विवरण :**
  नाम : डॉ॰ अच्युत शर्मा
  संस्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय
  ईमेल : ***sarmaachyut291058@gmail.com***

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : चतुर्थ

कोर्स-कोड : HIN-MAJOR-2

कोर्स का नाम - अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार

कोर्स-लेवल : 200-299

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	'अनुवाद' शब्द की व्युत्पत्ति एवं अर्थ; अनुवाद: परिभाषा, स्वरूप, प्रक्रिया (अर्थ-बोध, विश्लेषण, अंतरण, पुनर्गठन), महत्व; अनुवाद क्या है-- शिल्प, कला या विज्ञान? अनुवादक के गुण	15	25 (20+5)
2	1	अनुवाद के प्रकार : गद्यत्व-पद्यत्व के आधार पर, साहित्यिक विधा के आधार पर, अनुवाद की प्रकृति के आधार पर (शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, सारानुवाद, व्याख्यानुवाद, आदर्श अनुवाद, रूपान्तरण, आशु अनुवाद)	15	25 (20+5)
3	1	काव्यानुवाद, नाटकानुवाद, कथानुवाद : स्वरूप, विशेषताएँ और समस्याएँ; हिन्दी कविता, नाटक, उपन्यास और कहानी के अंशों का अंग्रेजी एवं असमीया में अनुवाद	15	25 (20+5)
4	1	अंग्रेजी-हिन्दी के परिप्रेक्ष्य में : वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद, विधि साहित्य का अनुवाद, पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद, लोकोक्ति-मुहावरों का अनुवाद और मशीनी अनुवाद	15	25 (20+5)

द्रष्टव्य : *आंतरिक परीक्षण के अन्तर्गत **10** अंक के लिए व्यावहारिक अनुवाद-कार्य सम्मिलित रहेगा। शेष **10** अंक सत्रीय परीक्षा, गृहकार्य आदि के लिए होंगे।*

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *अनुवाद विज्ञान* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली।

2. *अनुवाद-सुधा (भाग-1)* -- डॉ॰ अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी।

3. *अनुवाद-सुधा (भाग-2)* -- डॉ॰ अच्युत शर्मा (संपा.), शब्द भारती, गुवाहाटी।

4. *अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार* – डॉ॰ जयन्ती प्रसाद नौटियाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

5. *अनुवाद-बोध* – डॉ॰ गार्गी गुप्ता (प्रधान संपा), भारतीय अनुवाद परिषद, नयी दिल्ली।

6. *अनुवाद कला* – डॉ॰ एन. ई. विश्वनाथ अय्यर, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

7. *अनुवाद विज्ञान* – डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

8. *अनुवाद-शतक (खण्ड-2)* – नीना गुप्ता (प्रधान संपा.), भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली।

- **पूर्व-योग्यता :** हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण
- **स्नातक-गुण :**

  कोर्स का लक्ष्य : *विद्यार्थियों को अनुवाद-संबंधी आधारभूत ज्ञान प्रदान करके उनकी अनुवाद-कार्य-संबंधी व्यावहारिक क्षमता को विकसित करना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का मूल लक्ष्य है।*

  शिक्षण-उपलब्धि : *अनुवाद-कला के सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक पक्षों से संबंधित प्रस्तुत पाठ्यक्रम को इस रूप में तैयार किया गया है जिससे कि विद्यार्थीगण अनुवाद-विषयक आवश्यक जानकारियाँ प्राप्त करके शौकिया अथवा व्यावसायिक तौर पर अनुवाद-कार्य को अपना सकें।*
- **सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4**
- **व्यावहारिक क्रेडिट : 0**
- **आवश्यक कक्षाओं की संख्या : 60**

  प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60

  अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0
- **पाठ्यक्रम-डिजाइनर का विवरण :**

  नाम : डॉ॰ अच्युत शर्मा

  संस्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय

  ईमेल : ***sarmaachyut291058@gmail.com***

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : चतुर्थ

कोर्स-कोड : HIN-MAJOR-3

कोर्स का नाम : प्रयोजनमूलक हिन्दी एवं कार्यालयी अनुवाद

कोर्स-लेवल : 200-299

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	प्रयोजनमूलक हिन्दी का आशय, स्वरूप एवं महत्व; हिन्दी भाषा के विविध प्रयोजनमूलक रूप : जनभाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, सम्पर्कभाषा, शिक्षण-माध्यम भाषा, सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा	**15**	**25 (20+5)**
2	**1**	हिन्दी की संवैधानिक स्थिति : अनुच्छेद 343 एवं 351 में हिन्दी भाषा-संबंधी प्रावधान, राजभाषा अधिनियम- 1963, राजभाषा अधिनियम (संशोधित)- 1967, राजभाषा नियम- 1976	**15**	**25 (20+5)**
3	**1**	कार्यालयी पत्राचार के विविध रूप एवं प्रक्रियाएँ; हिन्दी-अंग्रेजी में पारस्परिक अनुवाद : सरकारी पत्र, अर्धसरकारी पत्र, परिपत्र, कार्यालयी आदेश, ज्ञापन, अनुस्मारक, अधिसूचना, प्रेस-विज्ञप्ति, विज्ञापन	**15**	**25 (20+5)**
4	**1**	कार्यालयी प्रयोग के संदर्भ में विभागीय नामों, पदनामों, वाक्यांशों/टिप्पणियों के अंग्रेजी-हिन्दी प्रारूप; कार्यालयी प्रयोजनों में विभिन्न यांत्रिक उपकरणों का अनुप्रयोग : कंप्यूटर, लेपटॉप, टेबलेट, वीडियो कान्फ्रेंसिंग	**15**	**25 (20+5)**

द्रष्टव्य : *आंतरिक परीक्षण के अन्तर्गत* ***10*** *अंक के लिए व्यावहारिक अनुवाद-कार्य सम्मिलित रहेगा। शेष* ***10*** *अंक सत्रीय परीक्षा, गृहकार्य आदि के लिए होंगे।*

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *प्रयोजनमूलक हिन्दी* – डॉ॰ विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।

2. *प्रयोजनिक हिन्दी* – डॉ॰ बालेन्दु शेखर तिवारी, अनुपम प्रकाशन, पटना।

3. *राजभाषा हिन्दी* – डॉ॰ भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।

4. *राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम* – डॉ॰ मलिक मोहम्मद, प्रवीण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

5. *राजभाषा प्रबंधन* – देशपाल सिंह राठौर, रचना पब्लिकेशन्स, दिल्ली।

6. *प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण* – प्रो॰ विराज, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।

7. *व्यावहारिक आलेखन और टिप्पण* – डॉ॰ अमूल्य चन्द्र बर्मन, असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी।

8. *कार्यालय सहायिका* – हरिबाबू कंसल, केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद, दिल्ली।

9. *कार्यालय प्रवीणता* – हरिबाबू कंसल, सुधांशु बंधु, नयी दिल्ली।

- **पूर्व-योग्यता :** हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण
- **स्नातक -गुण :**

  कोर्स का लक्ष्य : *विद्यार्थियों को हिन्दी की संवैधानिक स्थिति-सहित प्रयोजनमूलक हिन्दी और कार्यालयी अनुवाद का आधारभूत ज्ञान प्राप्त कराके उनकी कार्यालयी काम-काज और अनुवाद-कार्य-संबंधी व्यावहारिक क्षमता को विकसित करना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का मूल लक्ष्य है।*

  शिक्षण-उपलब्धि : *हिन्दी के प्रयोजनमूलक स्वरूप एवं कार्यालयी दस्तावेजों के व्यावहारिक अनुवाद से सम्बद्ध प्रस्तुत पाठ्यक्रम को इस रूप में तैयार किया गया है, ताकि विद्यार्थीगण प्रयोजनमूलक हिन्दी तथा कार्यालयी अनुवाद-विषयक आवश्यक जानकारियाँ प्राप्त करके व्यावसायिक अथवा आजीविका के तौर पर कार्यालयी काम-काज एवं अनुवाद-कार्य को अपना सकें।*

- **सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4**
- **व्यावहारिक क्रेडिट : 0**
- **आवश्यक कक्षाओं की संख्या : 60**

  प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60

  अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0
- **पाठ्यक्रम-डिजाइनर का विवरण :**

नाम : प्रो॰ दिलीप कुमार मेधि

संस्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय

ईमेल : ***dkmedhi1@gauhati.ac.in***

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : चतुर्थ

कोर्स-कोड : HIN-MAJOR-4

कोर्स का नाम : हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम

कोर्स-लेवल : 200-299

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	**पत्रकारिता :** अवधारणा, प्रमुख प्रकार, महत्व; **पत्रकारिता के आयाम :** समाचार के स्रोत, समाचार-संकलन की विधियाँ, संवाददाता की कार्य-पद्धति एवं समाचार/रिपोर्ट-लेखन, स्तम्भ-व्यवस्था, शीर्षक-निर्माण, सामग्री-विभाजन, विशेषांक की तैयारी, स्तम्भ-लेखन, फ़ीचर-लेखन; सम्पादन-कला; पत्रकारिता की भाषा-शैली	15	25 (20+5)
2	1	साहित्यिक पत्रकारिता की अवधारणा एवं महत्व; भारतेन्दुयुगीन, द्विवेदीयुगीन एवं छायावादयुगीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय, प्रवृत्तियाँ और महत्व	15	25 (20+5)
3	1	छायावादोत्तर और समकालीन साहित्यिक पत्रकारिता : परिचय, प्रवृत्तियाँ और महत्व **हिन्दी के प्रसिद्ध पत्रकार :** भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, महावीर प्रसाद द्विवेदी, गणेश शंकर विद्यार्थी, बनारसीदास चतुर्वेदी **हिन्दी की प्रसिद्ध पत्र-पत्रिकाएँ :** उदन्त मार्तंड, सरस्वती, हंस, धर्मयुग, जनसत्ता और दैनिक पूर्वोदय	15	25 (20+5)

4	**1**	भारतीय संविधान-प्रदत्त सूचना का अधिकार, प्रेस की स्वतन्त्रता की अवधारणा, प्रेस-संबंधी कानून और आचार-संहिता, हिन्दी का यांत्रिक प्रयोग : एम.एस.वर्ड, टंकण, ईमेल, पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन	**15**	**25 (20+5)**

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *सिर्फ पत्रकारिता* – अजय कुमार सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

2. *हिन्दी पत्रकारिता* – कृष्ण बिहारी मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

3. *पत्रकारिता : परिवेश और प्रवृत्तियाँ* – पृथ्वीनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

4. *पत्रकारिता के नए आयाम* – एस.के. दुबे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

5. *हिन्दी पत्रकारिता : संवाद और विमर्श* – कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

6. *हिन्दी पत्रकारिता का प्रतिनिधि संकलन* – तरुशिखा सुरजन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

7. *पत्रकारिता और पत्रकारिता* – अरुण जैन, हिन्दी बुक सेंटर, आसफ अली रोड, नयी दिल्ली ।

8. *हिन्दी पत्रकारिता : विविध आयाम* – वेद प्रताप वैदिक, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

9. *साहित्यिक पत्रकारिता* – राममोहन पाठक, ज्ञानमंदन, वाराणसी ।

10. *समकालीन पत्रकारिता : मूल्यांकन और मुद्दे* -- राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

11. *बृहत हिन्दी पत्रकारिता कोश* – सूर्यप्रसाद दीक्षित, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

12. *सम्पादन कला* -- पी. के. नारायण, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल ।

13. *जनसंचार के सामाजिक संदर्भ* -- जबरीमल पारख, हिन्दी बुक सेंटर, नयी दिल्ली ।

14. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

- **पूर्व-योग्यता :** हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण
- **स्नातक-गुण :**

  <u>कोर्स का लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को साहित्यिक पत्रकारिता के स्वरूप तथा भारतेन्दु-युग से अब तक अनवरत् रूप से प्रवाहित हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता के साथ इलेक्ट्रानिक और प्रिंट मीडिया के विविध पहलुओं से भली-भाँति परिचित कराना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का मूल लक्ष्य है।*

  <u>शिक्षण-उपलब्धि</u> : *हिन्दी पत्रकारिता-संबंधी इस पाठ्यक्रम को इस रूप में प्रस्तुत किया गया है कि हिन्दी पत्रकारिता के परिप्रेक्ष्य में सम्बद्ध विद्यार्थियों में इतनी योग्यता विकसित हो कि वे पत्रकारिता के विविध आयामों पर सम्यक् ज्ञान प्राप्त करके व्यावसायिक अथवा आजीविका के तौर पर उसका उपयोग कर सकें।*

- **सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4**
- **व्यावहारिक क्रेडिट : 0**

- **आवश्यक कक्षाओं की संख्या : 60**
  प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60
  अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0
- **पाठ्यक्रम-डिजाइनर का विवरण :**
  नाम : डॉ॰ रीतामणि वैश्य
  संस्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय
  ईमेल : ***rita1@gauhati.ac.in***

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : चतुर्थ

कोर्स-कोड : HIN-MAJOR-5

कोर्स का नाम : हिन्दी साहित्य का इतिहास (अनिवार्य)

कोर्स-लेवल : 200-299

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	**आदिकाल –** सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य	15	25 (20+5)
2	1	**भक्तिकाल –** सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, सन्तकाव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य	15	25 (20+5)
3	1	**रीतिकाल --** सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त काव्यधारा	15	25 (20+5)
4	1	**आधुनिक काल** -- सीमांकन, नामकरण, परिस्थितियाँ, आधुनिक काव्यधारा का इतिहास और खड़ीबोली गद्य का उद्भव-विकास	15	25 (20+5)

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. *हिन्दी साहित्य का आदिकाल* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना ।
3. *हिन्दी साहित्य की भूमिका* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
4. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
5. *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास* – डॉ॰ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

6. *रीतिकाव्य की भूमिका* – डॉ॰ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

7. *रीतिकाल : तथ्य और चिन्तन* – डॉ॰ सरोजिनी पाण्डेय, विकास प्रकाशन, जवाहर नगर, कानपुर ।

8. *हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (भाग 1 और 2)* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

9. *रीतिकाव्य* – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

10. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

11. *हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास (भाग 1 और 2)* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

12. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

13. *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास* – डॉ॰ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

14. *हिन्दी साहित्य का आधुनिक इतिहास* – डॉ॰ तारकनाथ बाली, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

- **पूर्व-योग्यता :** हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण
- **स्नातक-गुण :**

  <u>कोर्स का लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को आदिकालीन, भक्तिकालीन, रीतिकालीन एवं आधुनिककालीन हिन्दी साहित्य के इतिहास तथा खड़ीबोली गद्य के उद्भव एवं विकास की सम्यक् जानकारी देना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है ।*

  <u>शिक्षण-उपलब्धि</u> : *हिन्दी साहित्य के इतिहास से संबंधित प्रस्तुत पाठ्यक्रम को इस रूप में तैयार किया गया है कि हिन्दी साहित्य के इतिहास के आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल एवं आधुनिककाल के सीमांकन, नामकरण, विविध परिस्थितियों और साहित्यिक धाराओं (काव्यधाराओं) के साथ खड़ीबोली गद्य के उद्भव और विकास-संबंधी आवश्यक ज्ञान सम्बद्ध विद्यार्थियों को प्राप्त हो ।*

- **सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4**
- **व्यावहारिक क्रेडिट : 0**
- **आवश्यक कक्षाओं की संख्या : 60**

  प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60

  अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0
- **पाठ्यक्रम-डिजाइनर का विवरण :**

  नाम : डॉ॰ रीतामणि वैश्य

  संस्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय

  ईमेल : ***rita1@gauhati.ac.in***

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : पंचम

कोर्स-कोड : HIN-MAJOR-6

कोर्स का नाम : आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता

कोर्स-लेवल : 300-399

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	पाठ : **विद्यापति** (पद 1-18), **कबीर** (साखी 1-15), (पद 1-4), **जायसी** (मानसरोदक खण्ड)	**15**	**25 (20+5)**
2	**1**	पाठ : **सूरदास** (विनय, बाल-वर्णन), **तुलसीदास** (पुष्पवाटिका प्रसंग)	**15**	**25 (20+5)**
3	**1**	पाठ : **बिहारी** (दोहा 1-15), **घनानन्द** (पद 2, 3, 4, 5, 6) [*रीतिकाव्य-संग्रह* से]	**15**	**25 (20+5)**
4	**1**	चंदबरदाई, मीराँबाई, रसखान, भूषण का साहित्यिक परिचय एवं काव्यगत विशेषताएँ	**15**	**25 (20+5)**

निर्धारित पाठ्य-पुस्तकें :

1. *विद्यापति* -- डॉ॰ आनन्द प्रकाश दीक्षित (संपा.), साहित्य प्रकाशन मन्दिर, ग्वालियर ।
2. *मध्ययुगीन काव्य* -- डॉ॰ बृजनारायण सिंह (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।
3. *रीतिकाव्य-संग्रह* -- डॉ॰ विजयपाल सिंह (संपा.), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *विद्यापति* -- शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

2. *विद्यापति काव्य का सांस्कृतिक अध्ययन* – डॉ॰ अमूल्य चन्द्र बर्मन, असम हिन्दी प्रकाशन, गुवाहाटी ।

3. *कबीर-मीमांसा* – डॉ॰ रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

4. *जायसी : एक नयी दृष्टि* – डॉ॰ रघुवंश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

5. *कबीर* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, इलाहाबाद ।

6. *सूर और उनका साहित्य* – डॉ॰ हरवंशलाल शर्मा, भारत प्रकाशन मन्दिर, अलीगढ़ ।

7. *तुलसी साहित्य : विवेचन और मूल्यांकन* – डॉ॰ देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

8. *गोस्वामी तुलसीदास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, प्रकाशन संस्थान, नयी दिल्ली ।

9. *बिहारी का नया मूल्यांकन* – डॉ॰ बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

10. *बिहारी का काव्य-सौष्ठव* – डॉ॰ कल्पना पटेल, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

11. *घनानन्द का साहित्यिक अवदान* – डॉ॰ हनुमंत रणखांब, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

12. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।

13. *हिन्दी साहित्य का आदिकाल* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना ।

14. *हिन्दी साहित्य की भूमिका* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

15. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

- **पूर्व-योग्यता :** हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण
- **स्नातक-गुण :**

  <u>कोर्स का लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता की अमर विभूतियों का परिचय एवं काव्यरस प्रदान करना-- साथ ही उन्हें डिंगल, मैथिली, सधुक्कड़ी, अवधी, ब्रजी एवं राजस्थानी हिन्दी से परिचित कराना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है ।*

  <u>शिक्षण-उपलब्धि</u> : *आदिकालीन एवं मध्यकालीन हिन्दी कविता से सम्बद्ध प्रस्तुत पाठ्यक्रम को इस रूप में तैयार किया गया है कि विद्यार्थियों को आदिकालीन एवं मध्यकालीन (भक्तिकालीन एवं रीतिकालीन) हिन्दी काव्यधाराओं के प्रमुख रचयिताओं के साहित्यिक परिचय एवं काव्य-रस के साथ-साथ हिन्दी भाषा के विविध रूपों, जैसे- डिंगल, मैथिली, सधुक्कड़ी, अवधी, ब्रजी एवं राजस्थानी की भी जानकारी प्राप्त हो ।*

- **सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4**
- **व्यावहारिक क्रेडिट : 0**
- **आवश्यक कक्षाओं की संख्या : 60**

  प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60

  अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0
- **पाठ्यक्रम-डिजाइनर का विवरण :**

  नाम : डॉ॰ अच्युत शर्मा

संस्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय

ईमेल : ***sarmaachyut291058@gmail.com***

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : पंचम

कोर्स-कोड : HIN-MAJOR-7

कोर्स का नाम : आधुनिक हिन्दी कविता (छायावाद तक)

कोर्स-लेवल : 300-399

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	निर्धारित पाठ : **भारतेन्दु** (निज भाषा उन्नति, आत्म प्रबोधन), **मैथिलीशरण गुप्त** {(यशोधरा)-*आधुनिक काव्य-संग्रह* (संपा॰ डॉ॰ रामवीर सिंह में संकलित)}	**15**	**25 (20+5)**
2	**1**	निर्धारित पाठ : **मैथिलीशरण गुप्त** (मातृभूमि), **निराला** {(सरोज-स्मृति)- *आधुनिक काव्यधारा* (संपा॰ डॉ॰ विजयपाल सिंह में संकलित)}, **पन्त** {(परिवर्तन)- *आधुनिक काव्यधारा* (संपा॰ डॉ॰ विजयपाल सिंह में संकलित)}, (नौका विहार)	**15**	**25 (20+5)**
3	**1**	निर्धारित पाठ : **महादेवी वर्मा** (बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मन्दिर का दीप), **प्रसाद** (चिन्ता सर्ग--कामायनी)	**15**	**25 (20+5)**
4	**1**	अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', सुभद्रा कुमारी चौहान, हरिवंशराय 'बच्चन', बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' का साहित्यिक परिचय एवं काव्यगत विशेषताएँ	**15**	**25 (20+5)**

<u>निर्धारित पाठ्य-पुस्तक</u> :

1. *हिन्दी काव्य सुधा,* गौहाटी विश्वविद्यालय प्रकाशन ।

2. *आधुनिक काव्यधारा* -- डॉ॰ विजयपाल सिंह **(**संपा.**),** अनुराग प्रकाशन, वाराणसी ।

3. *राष्ट्रवाणी* -- वासुदेव सिंह **(**संपा.**),** संजय बुक सेंटर, वाराणसी (उत्तर प्रदेश) ।

4. *आधुनिक काव्य-संग्रह* -- रामवीर सिंह **(**संपा.**),** केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा ।

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *आधुनिक हिन्दी कविता* – डॉ॰ विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

2. *भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

3. *भारतेन्दु : एक नयी दृष्टि* – लहरी राम मीणा, स्वराज प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

4. *मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अंतर्कथाओं के स्रोत* -- शशि अग्रवाल, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग ।

5. *निराला की साहित्य-साधना* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

6. *कवि सुमित्रानन्दन पन्त* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, प्रकाशन संस्थान, दिल्ली ।

7. *महादेवी* – डॉ॰ परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

8. *कामायनी : एक पुनर्विचार* – गजानन माधव 'मुक्तिबोध', राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

9. *छायावाद की परिक्रमा* -- श्याम किशोर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

10. *प्रसाद, पन्त और मैथिलीशरण* – रामधारी सिंह 'दिनकर', लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

11. *जयशंकर प्रसाद* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

12. *हिन्दी साहित्य की भूमिका* – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।

13. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* -- डॉ॰ नगेन्द्र **(**संपा.**),** नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

14. *हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास* – डॉ॰ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

- **पूर्व-योग्यता :** हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण
- **स्नातक-गुण :**

  <u>कोर्स का लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को खड़ीबोली हिन्दी में रचित भारतेन्दुयुगीन, द्विवेदीयुगीन और छायावादयुगीन प्रमुख कवियों के साहित्यिक परिचय के साथ उनकी कविताओं का रस-प्रदान करते हुए उन्हें आधुनिकबोध तथा आधुनिक काव्यशिल्प से परिचित कराना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है ।*

  <u>शिक्षण-उपलब्धि</u> : *आधुनिक हिन्दी कविता से सम्बद्ध प्रस्तुत पाठ्यक्रम को इस रूप में तैयार किया गया है, जिससे कि विद्यार्थियों को भारतेन्दु-युग से छायावाद-युग तक की हिन्दी काव्यधारा की प्रमुख विभूतियों के साहित्यिक परिचय एवं काव्यास्वाद के साथ-साथ कविता के माध्यम से प्रस्फुटित खड़ीबोली हिन्दी के स्वरूप का सम्यक् ज्ञान प्राप्त हो सके ।*

- **सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4**
- **व्यावहारिक क्रेडिट : 0**
- **आवश्यक कक्षाओं की संख्या : 60**
  प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60
  अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0
- **पाठ्यक्रम-डिजाइनर का विवरण :**
  नाम : प्रो॰ दिलीप कुमार मेधि
  संस्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय
  ईमेल : ***dkmedhi1@gauhati.ac.in***

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : पंचम

कोर्स-कोड : HIN-MAJOR-8

कोर्स का नाम : छायावादोत्तर हिन्दी कविता

कोर्स-लेवल : 300-399

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	पाठ : **दिनकर** (हिमालय), **केदारनाथ अग्रवाल** (चन्द्र गहना से लौटती बेर, मांझी न बजाओ बंशी मेरा मन डोलता), **नागार्जुन** (ये दंतुरित मुस्कान, अकाल और उसके बाद)	**15**	**25 (20+5)**
2	**1**	पाठ : **माखनलाल चतुर्वेदी** (कैदी और कोकिला, पुष्प की अभिलाषा), **भवानीप्रसाद मिश्र** (गीत फरोश, बूँद टपकी एक नभ से), **अज्ञेय** (कलगी बाजरे की)	**15**	**25 (20+5)**
3	**1**	पाठ : **रघुवीर सहाय** (नेता क्षमा करें, हँसो हँसो जल्दी हँसो), **सर्वेश्वरदयाल सक्सेना** (दुःख, भूख), **गिरिजा कुमार माथुर** (आज हैं केसर रंग रंगे वन, छाया मत छूना मन)	**15**	**25 (20+5)**
4	**1**	गजानन माधव 'मुक्तिबोध', शमशेर बहादुर सिंह, सुदामा पाण्डेय 'धूमिल', धर्मवीर भारती का साहित्यिक परिचय एवं काव्यगत विशेषताएँ	**15**	**25 (20+5)**

<u>निर्धारित पाठ्य-पुस्तक</u> :

1. *छायावादोत्तर काव्य-संग्रह* – रामनारायण शुक्ल और डॉ॰ श्रीनिवास पाण्डेय **(**संपा.**),** संजय बुक सेंटर, वाराणसी।

2. *आधुनिक काव्यधारा* – डॉ॰ विजयपाल सिंह **(**संपा.**),** अनुराग प्रकाशन, वाराणसी ।

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *आधुनिक कविता यात्रा* – डॉ॰ रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

2. *कवि अज्ञेय* – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

3. *कवि केदारनाथ अग्रवाल* – डॉ॰ धी. के. रामचन्द्रन, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

4. *गिरिजाकुमार माथुर के काव्य का शिल्प-विधान* – डॉ॰ शुभा वाजपेयी, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

5. *समकालीन हिन्दी कविता* – ए. अरविन्दाक्षण, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

6. *नागार्जुन और उनकी कविता* – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

7. *नागार्जुन के काव्य में यथार्थ* – डॉ॰ शैलेश पाण्डेय, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

8. *सर्वेश्वर : सौन्दर्य और प्रेम* – डॉ॰ रामशंकर त्रिपाठी, विनय प्रकाशन, कानपुर ।

9. *रघुवीर सहाय की कविता : चिन्तन एवं शिल्प* – डॉ॰ उषा मिश्र, विनय प्रकाशन, कानपुर ।

10. *माखनलाल चतुर्वेदी : काव्य एवं दर्शन* – डॉ॰ दिनेश चन्द्र वर्मा, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

11. *दिनकर : अर्धनारीश्वर कवि* – नन्दकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

12. *भवानीप्रसाद मिश्र की कविता : रचना-दृष्टि, संवेदना और शिल्प* – डॉ॰ अश्विनी कुमार शुक्ल, विद्या प्रकाशन, कानपुर ।

- **पूर्व-योग्यता :** हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण
- **स्नातक-गुण :**

  <u>कोर्स का लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को हिन्दी की प्रगतिवादी, राष्ट्रीय-सांस्कृतिक, प्रयोगवादी, नयी कविता और साठोत्तरी कविता के प्रमुख कवियों का साहित्यिक परिचय, उनकी काव्य-संवेदना एवं शिल्पगत विशेषताओं की सम्यक् जानकारी देना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है।*

  <u>शिक्षण-उपलब्धि</u> : *छायावादोत्तर हिन्दी कविता से सम्बद्ध प्रस्तुत पाठ्यक्रम को इस रूप में तैयार किया गया है, जिससे कि विद्यार्थीगण छायावाद-युग के बाद की द्रुत विकसनशील हिन्दी काव्यधारा की प्रमुख विभूतियों के साहित्यिक परिचय और काव्य-सौन्दर्य के साथ-साथ कविताओं के माध्यम से उभरे अद्यतन युग-बोध का साक्षात्कार कर सकें।*

- **सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4**
- **व्यावहारिक क्रेडिट : 0**
- **आवश्यक कक्षाओं की संख्या : 60**

  प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60

अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0

- **पाठ्यक्रम-डिजाइनर का विवरण :**

नाम : डॉ॰ रीतामणि वैश्य

संस्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय

ईमेल : ***rita1@gauhati.ac.in***

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : पंचम

कोर्स-कोड : HIN-MAJOR-9

कोर्स का नाम : भारतीय काव्यशास्त्र (अनिवार्य)

कोर्स-लेवल : 300-399

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	**रस सिद्धान्त** – रस की अवधारणा (परिभाषा, स्वरूप), रस-निष्पत्ति और साधारणीकरण	15	25 (20+5)
2	1	**अलंकार सिद्धान्त** – अलंकार की अवधारणा (परिभाषा, स्वरूप), प्रमुख अलंकार (अनुप्रास, उत्प्रेक्षा, उपमा, रूपक, यमक, अतिशयोक्ति, विरोधाभास, श्लेष)	15	25 (20+5)
3	1	**काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु** एवं **काव्य-प्रयोजन** **ध्वनि सिद्धान्त** – ध्वनि की अवधारणा (परिभाषा, स्वरूप), ध्वनि के भेद (ध्वनि काव्य, गुणीभूतव्यंग्य काव्य और चित्रकाव्य का सामान्य परिचय)	15	25 (20+5)
4	1	**रीति सिद्धान्त** – रीति की अवधारणा (परिभाषा, स्वरूप), रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण **वक्रोक्ति सिद्धान्त**– वक्रोक्ति की अवधारणा (परिभाषा, स्वरूप), वक्रोक्ति का वर्गीकरण **औचित्य सिद्धान्त** – औचित्य की अवधारणा (परिभाषा, स्वरूप)	15	25 (20+5)

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *भारतीय काव्यशास्त्र* – बलदेव उपाध्याय, चौखंभा प्रकाशन, वाराणसी ।

2. *भारतीय काव्यशास्त्र* – डॉ॰ भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

3. *भारतीय काव्य चिन्तन* – शोभाकान्त मिश्र, अनुपम प्रकाशन, पटना ।

4. *काव्यालोचन* – ओमप्रकाश शर्मा शास्त्री, आर्य बूक डिपो, दिल्ली ।

5. *काव्य के रूप* – बाबू गुलाबराय, आत्माराम एंड सन्स, दिल्ली ।

6. *भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन* – डॉ॰ सत्यदेव चौधरी और डॉ॰ शान्तिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली ।

7. *रस सिद्धान्त का पुनर्विवेचन* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

- **पूर्व-योग्यता :** हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण
- **स्नातक-गुण :**

  <u>कोर्स का लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को काव्य (साहित्य) की शास्त्रीय समीक्षा हेतु भारतीय काव्यशास्त्र के मुख्य सिद्धान्तों की सम्यक् जानकारी देना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है ।*

  <u>शिक्षण-उपलब्धि</u> : *भारतीय काव्यशास्त्र से संबंधित प्रस्तुत पाठ्यक्रम को इस रूप में तैयार किया गया है, जिससे कि विद्यार्थियों को इस काव्यशास्त्रीय इतिहास के रस, अलंकार, ध्वनि, रीति, वक्रोक्ति, औचित्य-- जैसे सिद्धांतों एवं आनुषंगिक बातों की सम्यक् जानकारी मिले और वे भारतीय दृष्टिकोण से काव्य/साहित्य की आलोचना करने हेतु सामर्थ्य प्राप्त कर सकें ।*
- **सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4**
- **व्यावहारिक क्रेडिट : 0**
- **आवश्यक कक्षाओं की संख्या : 60**

  प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60

  अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0
- **पाठ्यक्रम-डिजाइनर का विवरण :**

  नाम : डॉ॰ अच्युत शर्मा

  संस्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय

  ईमेल : ***<u>sarmaachyut291058@gmail.com</u>***

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : षष्ठ

कोर्स-कोड : HIN-MAJOR-10

कोर्स का नाम : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

कोर्स-लेवल : 300-399

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	**प्लेटो** – काव्य-सम्बन्धी मान्यताएँ: काव्य-सत्य, काव्य-सृजन का दैवी-प्रेरणा सिद्धान्त **अरस्तू –** अनुकरण एवं विरेचन सिद्धान्त **लोंगिनुस** – काव्य में उदात्त की अवधारणा	15	25 (20+5)
2	1	**वर्डस्वर्थ –** काव्य-भाषा का सिद्धान्त **कॉलरिज़ –** कल्पना और फेंसी **क्रोचे –** अभिव्यंजनावाद	15	25 (20+5)
3	1	**टी.एस. इलियट** – परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त **आई.ए. रिचर्डस** – मूल्य सिद्धान्त, सम्प्रेषण-सिद्धान्त	15	25 (20+5)
4	1	**स्वच्छंदतावाद** (स्वरूप एवं महत्व), **यथार्थवाद** (स्वरूप एवं महत्व) एवं **अस्तित्ववाद** (स्वरूप एवं महत्व) **शैलीविज्ञान** (परिभाषा, स्वरूप एवं उपयोगिता, शैली के विविध उपकरण-- चयन, विचलन, समानांतरता)	15	25 (20+5)

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र* – डॉ॰ भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

2. *पाश्चात्य काव्यशास्त्र* – आचार्य देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

3. *भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र का संक्षिप्त विवेचन* – डॉ॰ सत्यदेव चौधरी और डॉ॰ शान्तिस्वरूप गुप्त, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।

4. *पाश्चात्य साहित्य-चिन्तन* – डॉ॰ निर्मला जैन और कुसुम बंठिया, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

5. *साहित्यिक निबन्ध* – डॉ॰ गणपतिचन्द्र गुप्त, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

6. *पाश्चात्य काव्य-चिन्तन* – करुणाशंकर उपाध्याय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।

- **पूर्व-योग्यता :** हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण
- **स्नातक-गुण :**

  <u>कोर्स का लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को काव्य (साहित्य) की शास्त्रीय समीक्षा हेतु पाश्चात्य काव्यशास्त्र के मुख्य सिद्धांतों की सम्यक् जानकारी देना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है।*

  <u>शिक्षण-उपलब्धि</u> : *पाश्चात्य काव्यशास्त्र से संबंधित प्रस्तुत पाठ्यक्रम को इस रूप में तैयार किया गया है ताकि विद्यार्थीगण इस काव्यशास्त्रीय इतिहास के प्लेटो, अरस्तू, लोंगिनुस, वर्डस्वर्थ, कॉलरिज़, क्रोचे, टी.एस. इलियट और आई.ए. रिचर्डस-- जैसे चिन्तकों/समालोचकों की काव्य-दृष्टियों (साहित्य-दृष्टि), साहित्यिक वादों तथा शैलीवैज्ञानिक सिद्धांतों की सम्यक् जानकारी प्राप्त करके हिन्दी साहित्य को पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय दृष्टि से भी विश्लेषित कर सकें।*

- **सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4**
- **व्यावहारिक क्रेडिट : 0**
- **आवश्यक कक्षाओं की संख्या : 60**

  प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60

  अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0
- **पाठ्यक्रम-डिजाइनर का विवरण :**

नाम : प्रो॰ दिलीप कुमार मेधि

संस्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय

ईमेल : ***dkmedhi1@gauhati.ac.in***

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : षष्ठ

कोर्स-कोड : HIN-MAJOR-11

कोर्स का नाम : हिन्दी कथा-साहित्य (अनिवार्य)

कोर्स-लेवल : 300-399

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	**उपन्यास एवं कहानी :** परिभाषा, तत्व एवं प्रकार, उपन्यास और कहानी में अन्तर, हिन्दी उपन्यास एवं कहानी का उद्भव और विकास	**15**	**25 (20+5)**
2	**1**	**त्यागपत्र** (जैनेन्द्र कुमार), **आपका बंटी** (मन्नू भण्डारी)	**15**	**25 (20+5)**
3	**1**	**उसने कहा था** (चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी'), **कहानी का प्लॉट** (शिवपूजन सहाय), **पूस की रात** (प्रेमचन्द), **आकाशदीप** (जयशंकर प्रसाद), **हार की जीत** (सुदर्शन), **पाज़ेब** (जैनेन्द्र कुमार), **सिक्का बदल गया** (कृष्णा सोबती), **पिता** (ज्ञानरंजन)	**15**	**25 (20+5)**
4	**1**	इलाचन्द्र जोशी, यशपाल, फणीश्वरनाथ 'रेणु', उषा प्रियंवदा का साहित्यिक परिचय एवं साहित्यिक विशेषताएँ	**15**	**25 (20+5)**

<u>निर्धारित पाठ्य-पुस्तकें एवं ऑनलाइन लिंक्स</u> :

1. *त्यागपत्र* – जैनेन्द्र कुमार, पूर्वोदय प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

2. *आपका बंटी* – मन्नू भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

3. *कथा वीथी* – डॉ॰ प्रेमनारायण शुक्ल (संपा.), ग्रंथम, कानपुर ।

4. *श्रेष्ठ कहानियाँ* – डॉ॰ विजयपाल सिंह (संपा.), जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

5. *कहानी का प्लॉट* (शिवपूजन सहाय) – **http://surl.li/ggstd**

6. *हार की जीत* (सुदर्शन) -- **https://www.hindisamay.com/content/422/1/**

7. *सिक्का बदल गया* (कृष्णा सोबती) – **https://www.hindisamay.com/content/171/1/**

8. *प्रतिनिधि कहानियाँ* – डॉ॰ बच्चन सिंह (संपा.), अनुराग प्रकाशन, वाराणसी ।

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *प्रेमचन्द* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

2. *प्रेमचन्द : साहित्य-विवेचन* – आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

3. *हिन्दी उपन्यास का इतिहास* – डॉ॰ गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

4. *हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा* -- डॉ॰ रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

5. *आधुनिक हिन्दी उपन्यास : सृजन और आलोचना* – डॉ॰ चन्द्रकान्त बांदिबडेकर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

6. *हिन्दी कहानी की विकास-प्रक्रिया* – आनन्द प्रकाश, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

7. *नयी कहानी की भूमिका* – कमलेश्वर, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

8. *हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान* – डॉ॰ रामदरश मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

9. *हिन्दी कहानी के आन्दोलन : उपलब्धियाँ और सीमाएं* – रजनीश कुमार, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

10. *जैनेन्द्र के उपन्यास* – डॉ॰ परमानन्द श्रीवास्तव, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

11. *मनोवैज्ञानिक उपन्यासकार जैनेन्द्र* – डॉ॰ सुशील. जी. धर्माणी, विनय प्रकाशन, कानपुर ।

12. *मन्नू भण्डारी और आपका बंटी* – मालविका, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

13. *कहानीकार प्रेमचन्द : रचना-दृष्टि और रचना-विधान* – शिवकुमार मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

- **पूर्व-योग्यता :** हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण
- **स्नातक-गुण :**
  <u>कोर्स का लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास और कहानी) के स्वरूप, उद्भव एवं विकास की जानकारी देते हुए चुनिन्दा उपन्यासों और कहानियों के माध्यम से उभरते हुए जीवन-बोध से परिचित कराना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है ।*

<u>शिक्षण-उपलब्धि</u> : *हिन्दी कथा-साहित्य से संबंधित प्रस्तुत पाठ्यक्रम को इस ढंग से तैयार किया गया है, ताकि विद्यार्थीगण हिन्दी उपन्यास और हिन्दी कहानी के स्वरूप तथा विकास-क्रम से परिचित हों, उन्हें प्रमुख हिन्दी कथाकारों की साहित्यिक देन का परिचय मिले और वे चयनित उपन्यासों एवं कहानियों के रसास्वादन करते हुए उनके जरिए स्वतंत्रता-पूर्व एवं स्वातंत्र्योत्तर भारतीय समाज-जीवन को समझने में समर्थ हो सकें।*

- **सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4**
- **व्यावहारिक क्रेडिट : 0**
- **आवश्यक कक्षाओं की संख्या : 60**
  प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60
  अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0
- **पाठ्यक्रम-डिजाइनर का विवरण :**
  नाम : डॉ॰ रीतामणि वैश्य
  संस्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय
  ईमेल : ***rita1@gauhati.ac.in***

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : षष्ठ

कोर्स-कोड : HIN-MAJOR-12

कोर्स का नाम : हिन्दी नाटक एवं एकांकी

कोर्स-लेवल : 300-399

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	**1**	**नाटक एवं एकांकी :** परिभाषा, तत्व एवं प्रकार, नाटक एवं एकांकी में अन्तर, हिन्दी नाटक एवं एकांकी का उद्भव और विकास	**15**	**25 (20+5)**
2	**1**	**नाटक : भारत दुर्दशा** (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र), **आषाढ़ का एक दिन** (मोहन राकेश)	**15**	**25 (20+5)**
3	**1**	**एकांकी : विषकन्या** (गोविन्द वल्लभ पन्त), **भोर का तारा** (जगदीशचन्द्र माथुर), **यह स्वतन्त्रता का युग** (उदयशंकर भट्ट)	**15**	**25 (20+5)**
4	**1**	जयशंकर प्रसाद, लक्ष्मीनारायण मिश्र, लक्ष्मीनारायण लाल, उपेन्द्रनाथ अश्क का साहित्यिक परिचय एवं साहित्यिक विशेषताएँ	**15**	**25 (20+5)**

<u>निर्धारित पाठ्य-पुस्तकें</u> :

1. *भारत दुर्दशा* – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी।

2. *आषाढ़ का एक दिन* – मोहन राकेश, राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली।

3. *छोटे नाटक* – डॉ॰ शुकदेव सिंह (संपा.), अनुराग प्रकाशन, वाराणसी ।

4. *नए एकांकी* – अज्ञेय (संपा.), राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली ।

5. *श्रेष्ठ एकांकी* – डॉ॰ विजयपाल सिंह (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

<u>सन्दर्भ ग्रन्थ</u> :

1. *मोहन राकेश और उनके नाटक* – डॉ॰ गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

2. *हिन्दी नाटक* – डॉ॰ बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

3. *हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास* – डॉ॰ दशरथ ओझा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

4. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* – डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली ।

5. *कृति मूल्यांकन : आषाढ़ का एक दिन* – आशीष त्रिपाठी (संपा.), राजपाल एण्ड सन्स, नयी दिल्ली ।

6. *भारतेन्दु हरिश्चन्द्र का रचना-संसार : एक पुनर्मूल्यांकन* – डॉ॰ वीरेन्द्र सिंह यादव, साहित्य रत्नाकर, कानपुर ।

7. *नाटककार भारतेन्दु की रंग-परिकल्पना* – सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

8. *समकालीन हिन्दी नाटक* – नरनारायण राय, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली ।

9. *हिन्दी एकांकी* – सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

10. *नाटककार : जगदीशचन्द्र माथुर* – गोविन्द चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली ।

- **पूर्व-योग्यता :** हिन्दी-सहित **12**वीं कक्षा-उत्तीर्ण
- **स्नातक-गुण :**

  <u>कोर्स का लक्ष्य</u> : *विद्यार्थियों को हिन्दी नाटक एवं एकांकी साहित्य के स्वरूप, उद्भव एवं विकास की जानकारी देते हुए चुनिन्दा नाटकों एवं एकांकियों के माध्यम से उभरते हुए आधुनिक जीवन-बोध से उन्हें परिचित कराना प्रस्तुत पाठ्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है ।*

  <u>शिक्षण-उपलब्धि</u> : *हिन्दी नाटक एवं एकांकी साहित्य से संबंधित प्रस्तुत पाठ्यक्रम को इस रूप में तैयार किया गया है, जिससे कि विद्यार्थी-वर्ग को हिन्दी नाटक एवं एकांकी के स्वरूप एवं दोनों विधाओं की विकास-यात्रा का परिचय मिले, उन्हें हिन्दी के प्रमुख नाटककारों एवं एकांकीकारों की साहित्यिक देन की जानकारी प्राप्त हो तथा वे चुने हुए नाटकों एवं एकांकियों के अध्ययन के जरिए सतत् परिवर्तनशील आधुनिक जीवनानुभूतियों को पहचान सकें ।*

- **सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4**
- **व्यावहारिक क्रेडिट : 0**
- **आवश्यक कक्षाओं की संख्या : 60**

  प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60

  अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0

- **पाठ्यक्रम-डिजाइनर का विवरण :**

नाम : पूजा शर्मा
संस्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय
ईमेल : ***poojasarmahindi@gauhati.ac.in***

चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम

विषय : हिन्दी

छमाही : षष्ठ

कोर्स-कोड : HIN-MAJOR-13

कोर्स का नाम : हिन्दी निबन्ध, आलोचना, संस्मरण एवं रेखाचित्र

कोर्स-लेवल : 300-399

कुल अंक : 100

बाह्य परीक्षण : 80

आंतरिक परीक्षण : 20

इकाई	क्रेडिट	पाठ्य-विषय	कक्षा-संख्या	अंक (बाह्य परीक्षण+ आंतरिक परीक्षण)
1	1	**निबन्ध, आलोचना, संस्मरण, रेखाचित्र :** परिभाषा, स्वरूप एवं तत्व, हिन्दी निबन्ध एवं आलोचना का उद्भव और विकास	15	25 (20+5)
2	1	**मजदूरी और प्रेम** (सरदार पूर्ण सिंह), **करुणा** (आचार्य रामचन्द्र शुक्ल), **देवदारु** (आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी), **मेरे राम का मुकुट भींग रहा है** (विद्यानिवास मिश्र), **महाकवि जयशंकर प्रसाद** (शिवपूजन सहाय)	15	25 (20+5)
3	1	**हिन्दी के प्रमुख आलोचक--** आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ॰ रामविलास शर्मा : देन एवं आलोचना-दृष्टि	15	25 (20+5)
4	1	**तुम्हारी स्मृति** (माखनलाल चतुर्वेदी), **भक्तिन** (महादेवी वर्मा), **सुभान खाँ** (रामवृक्ष बेनीपुरी), **पीपल** (अज्ञेय)	15	25 (20+5)

<u>निर्धारित पाठ्य-पुस्तक एवं ऑनलाइन लिंक्स</u> :

1. *चिन्तामणि (पहला भाग)* – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, इंडियन प्रेस (पब्लिकेशन्स), प्राइवेट लिमिटेड, प्रयाग।

2. *विद्यानिवास मिश्र के ललित निबन्ध* – भोलाभाई पटेल एवं रामकुमार गुप्त (संपा.), जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

3. *श्रेष्ठ निबन्ध* – डॉ॰ आलोक गुप्त (संपा.), शिक्षा भारती, दिल्ली।

4. *हिन्दी निबन्ध* – डॉ॰ शिव प्रसाद सिंह (संपा.), हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी।

5. *महाकवि जयशंकर प्रसाद* (शिवपूजन सहाय) -- **http://gadyakosh.org/gk/%E0%**

6. *समय के पाँव* -- माखनलाल चतुर्वेदी, भारतीय ज्ञानपीठ, नयी दिल्ली।

7. *रेखाचित्र* -- महादेवी वर्मा, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली।

8. *संस्मरण और रेखाचित्र* – उर्मिला मोदी (संपा.), अनुराग प्रकाशन, वाराणसी।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. *हिन्दी निबन्धकार* – प्रो॰ जयनाथ 'नलिन', आत्माराम एण्ड सन्ज, दिल्ली।

2. *हिन्दी के प्रतिनिधि निबन्धकार* – राजकिशोर सिंह, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ।

3. *गद्य की नयी विधाओं का विकास* – मज़दा असाद, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली।

4. *ललित निबन्ध* – केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा।

5. *हिन्दी साहित्य का इतिहास* – डॉ॰ नगेन्द्र (संपा.), नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली।

6. *भारतीय काव्यशास्त्र* – डॉ॰ भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

7. *विद्यानिवास मिश्र के निबन्धों में सांस्कृतिक चेतना* – डॉ॰ अभिलाषा ठाकुर, विनय प्रकाशन, कानपुर।

8. *हिन्दी आलोचना : अतीत और वर्तमान* – प्रभाकर माचवे, हिन्दुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।

9. *हिन्दी आलोचना* – डॉ॰ विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

10. *आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना* – डॉ॰ रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली।

11. *सांस्कृतिक आलोचना और हजारीप्रसाद द्विवेदी* – प्रो॰ रामकिशोर शर्मा (संपा.), लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

12. *डॉ॰ रामविलास शर्मा की साहित्यिक आलोचना* – डॉ॰ मंजुनाथ के., अमन प्रकाशन, कानपुर।

13. *हिन्दी के श्रेष्ठ रेखाचित्र* – डॉ॰ चौथीराम यादव (संपा.), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

- **पूर्व-योग्यता :** हिन्दी-सहित **10**वीं कक्षा-उत्तीर्ण
- **स्नातक-गुण :**

  कोर्स का लक्ष्य : *विद्यार्थियों को हिन्दी निबन्ध, आलोचना, संस्मरण एवं रेखाचित्र के स्वरूप तथा हिन्दी निबन्ध साहित्य के इतिहास की जानकारी देते हुए चुनी हुई रचनाओं के माध्यम से इन प्रभावी गद्य-विधाओं की शिल्पगत विशेषताओं के साथ उन्हें परिचित कराना इस पाठ्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है।*

  शिक्षण-उपलब्धि : *हिन्दी निबन्ध, आलोचना, संस्मरण एवं रेखाचित्र से संबंधित प्रस्तुत पाठ्यक्रम को इस रूप में तैयार किया गया है ताकि विद्यार्थियों को इन चारों महत्वपूर्ण गद्य-विधाओं के स्वरूप की सम्यक् जानकारी मिले, गद्य की कसौटी कहे जाने वाले हिन्दी निबंध के उद्भव एवं विकासक्रम का परिचय मिल जाए, चुनिन्दा हिन्दी समीक्षकों की आलोचना-दृष्टि की*

पहचान हो और फिर चारों विधाओं से सम्बद्ध चयनित पाठों एवं विषयों के रसास्वादन के जरिए वे लोग आधुनिक जीवनबोध का भी साक्षात्कार कर सकें।

- **सैद्धान्तिक क्रेडिट : 4**
- **व्यावहारिक क्रेडिट : 0**
- **आवश्यक कक्षाओं की संख्या : 60**
  प्रत्यक्ष कक्षाएँ : 60
  अप्रत्यक्ष कक्षाएँ : 0
- **पाठ्यक्रम-डिजाइनर का विवरण :**
  नाम : पूजा शर्मा
  संस्थान : गौहाटी विश्वविद्यालय
  ईमेल : ***poojasarmahindi@gauhati.ac.in***

★ ★ ★ ★ ★